Published Date : Friday 24th August, 2018
Publication : The Economic Times (Hindi) [New Delhi]

# NCDEX ने उड़द, तूर के फ्यूचर्स कॉन्ट्रैक्ट रीलॉन्च की इजाजत मांगी

[ माधवी शैली | नई दिल्ली ]

**नेशनल कमोडिटी** एंड डेरिवेटिव एक्सचेंज (NCDEX) ने कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी से उड़द और तूर के कॉन्ट्रैक्ट्स फिर से लॉन्च करने की इजाजत मांगी है। तूर और उड़द फ्यूचर्स को दाम में जोड़-जोड़ और ट्रेड में गड़बड़ी होने के आरोप लगने पर जनवरी 2007 में एक्सचेंज से हटा लिया गया था। अभी दालों की कीमत न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से कम चल रही है और सरकार के पास उनका बड़ा स्टॉक है। अधिकारियों का कहना है कि ऐसे में दालों में फ्यूचर्स ट्रेडिंग से किसानों को इस बात का अंदाजा मिलेगा कि भविष्य में उनकी कीमत कैसी रह सकती है। वे इसके जरिये अपने स्टॉक की हेजिंग भी कर पाएंगे।

एनसीडीईएक्स के स्पोक्सपर्सन ने बताया, 'उड़द और तूर के कॉन्ट्रैक्ट्स को रीलॉन्च करने को लेकर बातचीत हो रही है। इससे प्राइस डिस्कवरी और रिस्क मैनेजमेंट में मदद मिलेगी। हम इनमें किसान संगठनों का पार्टिसिपेशन बढ़ाना चाहते हैं ताकि किसानों की आमदनी बढ़ सके।' उन्होने बताया कि सिक्योरिटीज कॉन्ट्रैक्ट्स (रेगुलेशन) एक्ट में जिन कमोडिटी को नोटिफाई किया गया है, सेबी के पास उनके लॉन्च की टाइमिंग और री-लॉन्च के बारे में फैसला लेने का अधिकार है। अधिकारी ने बताया, 'रिकॉर्ड प्रॉडक्शन होने की वजह से सभी अहम दालों की कीमत एमएसपी से कम हो गई है। बाजार में दालों की सप्लाई काफी अधिक है। ऐसे में एक मार्केट बेस्ड इंस्ट्रूमेंट की जरूरत है, जिससे किसानों को प्राइस रिस्क मैनेज करने का प्लेटफॉर्म मिले।'

- **दाम में** उतार-चढ़ाव और ट्रेड में गड़बड़ियों के आरोप लगने के बाद जनवरी 2007 में इन दालों के फ्यूचर्स को एक्सचेंज से हटा लिया गया था

उन्होंने कहा कि किसानों की मदद के लिए वैसे तो सरकार ने एमएसपी में अच्छी बढ़ोतरी की है, लेकिन वे जितनी दाल का उत्पादन करेंगे, सरकार सब नहीं खरीद सकती। एनसीडीईएक्स के मुताबिक, देश के कुल दाल उत्पादन में उड़द का हिस्सा 13 पर्सेंट और तूर का 17 पर्सेंट है, जबकि चने का हिस्सा इसमें करीब 46 पर्सेंट है।

फ्यूचर्स प्लेटफॉर्म पर कमोडिटी को डालने से किसानों को कटाई के दौरान के दौरान उसकी संभावित कीमत का अंदाजा मिलता है। एक्सचेंज के स्पोक्सपर्सन ने बताया, 'किसान वायदा भाव पर लगातार नजर रख सकते हैं और उस दाम के हिसाब से हाट बाजार में फसल बेचा जा सकता है।' पिछले पांच साल में उत्पादन में लगातार बढ़ोतरी होने से तूर और उड़द के दाम में काफी गिरावट आई है। दिल्ली में तूर दाल का भाव 3,800 रुपये प्रति क्विंटल और उड़द का 3,700 रुपये प्रति क्विंटल चल रहा है।